

हजूर पुं. (अर.) 1. हुजूर, किसी बड़े के समक्ष, सामने, सान्निध्य में 2. किसी बादशाह या बहुत बड़े हाकिम का दरबार 3. सम्मान्य जन के लिए आदर सूचक संबोधन।

हजो स्त्री. (अर.) 1. अपयश, अपकीर्ति, निंदा, बुराई 2. किसी की निंदा वाली कविता (अरबी साहित्य आदि में)।

हज्ज पुं. (अर.) 1. किसी कार्य को संपन्न करने हेतु या करने पर मन में लिया गया संकल्प 2. मुसलमानों द्वारा मक्के-मदीने की तीर्थ-यात्रा 3. काबे के दर्शन और प्रदक्षिणा करना।

हज्जाम पुं. (अर.) हजामत बनाने वाला, नाई।

हज्जामी स्त्री. (अर.) नाई का व्यवसाय या धंधा।

हज्म वि. (अर.) पचा हुआ, पचित पुं. 1. हजम, किसी खाद्य पदार्थ को खाने के बाद पचा लेना, खाई गई वस्तु या पदार्थ को आमाशय द्वारा पचाना 2. लाक्षणिक प्रयोग में-किसी दूसरे की वस्तु, पैसा या संपत्ति को दबा लेना, हड़प लेना 3. दूरदर्शिता, सावधानी।

हट पुं. (तद्.) दे. हठ।

हटक स्त्री. (देश.) 1. किसी कार्य को मना करने या रोकने की क्रिया, भाव मनाही, वर्जना।

हटकन स्त्री. (देश.) 1. हटक, किसी कार्य या बात को रोकने, न करने का आग्रह, मना करने की क्रिया, मनाही, वर्जन।

हटकना स.क्रि. (देश.) 1. किसी कार्य का निषेध करना, मना करना 2. पशुओं, गाय-भैंसों, भेड़-बकरियों आदि को किसी अन्य दिशा में मोड़ना या किसी दिशा विशेष में जाने से रोकना।

हटका पुं. (देश.) द्वार की अर्गला, दरवाजे को खुलने से रोकने के लिए लगाया जाने वाला अड़ंगा, मोटा डंडा।

हटकि क्रि.वि. (देश.) 1. रोक कर, मना कर के 2. भर्त्सना करके, डाँट करके स्त्री. हठात, जबरदस्ती 2. बिना किसी कारण के।

हटतार पुं. (तद्.) 1. हठपूर्वक देखने का क्रम 2. टकटकी लगाए निरंतर देखना, बिना पलक झपकाए देखने की क्रिया 3. माला का सूत्र अथवा डोरा, जिसमें माला के दाने पिरोए रहते हैं।

हटताल स्त्री. (देश.) हड़ताल, विरोध अथवा असंतोष प्रकट करने के लिए कारखानों, कार्यालयों आदि के कर्मचारियों द्वारा कार्य करना बंद कर देना।

हटना अ.क्रि. (देश.) 1. एक स्थान से खिसक कर दूसरे स्थान को जाना 2. किसी काम अथवा बात से विमुख होना, मुँह मोड़ना 3. दिए गए वचन अथवा प्रतिज्ञा पर स्थिर न रहना 4. किसी काम, योजना आदि का स्थगित होना 5. किसी पद अथवा स्थान से अलग होना या अवकाश ग्रहण करना।

हटनी स्त्री. (देश.) मलखंभ की एक कसरत, जिसमें पीठ के बल होकर ऊपर जाते हैं।

हटबए वि. (देश.) तौल करने वाला, तौलने वाला।

हटबया पुं. (देश.) वह जो हाट या बाजार में जाकर दुकान लगाता हो, हाटवाला, हटवा।

हटवा पुं. (देश.) 1. हाट में दुकान लगाने वाला व्यक्ति, हाटवाला, हटबया, हटवार 2. हाट में जाकर सौदा लेना या बेचना, क्रय-विक्रय पुं. हाट में बैठकर सौदा बेचने वाला व्यक्ति, हटवार।

हटवाई स्त्री. (देश.) 1. हटवाने की क्रिया या भाव 2. हटवाने का पारिश्रमिक जैसे- इस सामान की हटवाई 200 रुपए दे दो।

हटवाना सं.क्रि. (देश.) किसी व्यक्ति को किसी वस्तु अथवा समान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखने के लिए प्रवृत्त करना।

हटवार पुं. (देश.) हाट में दुकान लगाने वाला व्यक्ति, हटवा, हटबया।

हटवैया पुं. (देश.) सामान को हटवाने वाला।

हटाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना या रखना 2. किसी